प्यार गुरु का पाना है तो,हर इक से हम प्यार करें ।।

प्रेतात्मा नहीं,महात्मा हैं हम,महात्मा-सा व्यवहार करें ।।
प्यार गुरु का पाना है तो,हर इक से हम प्यार करें ।।

कद-पद के उस पार से देखें,तत्व सभी में एक समान
तत्व देखने के ही खातिर,गुरु ने दिया हमें ये ज्ञान
नाक न सिकोड़े देख किसी को, करते रहें सबका सम्मान
कार्य यही बस केवल ऐसा, जिससे खुश होता भगवान
ज्ञानी हैं तो ज्ञान को क्यों ना,जीवन में संचार करें ।।
प्यार गुरु का पाना है तो,हर इक से हम प्यार करें ।।

गुरुमत की परिभाषा कहती, सीखें केवल, ना कि सिखाए
गुरु ने कार्य दिया जो हमको, कार्य वही बस करते जाए
गुरु के संग निभाना है तो,हर गुरुसिख के संग निभाए
सदगुरु के आशीष के फल, इस तरह के जीवन में ही आए
अपना कम,सदगुरु का ज्यादा,सच्चे मन से प्रचार करें ।।
प्यार गुरु का पाना है तो,हर इक से हम प्यार करें ।।

कवियों के जीवन में बाबा , कृपा-दृष्टि तुम अब दो डाल
हो सुशोभित जहाँ भी हों हम, जीवन हो सबका खुशहाल
रहे प्रसन्नता मन के अंदर, हल हो जायें सभी सवाल
अंदर-बाहर सुंदर करके, कर दो सबको मालोमाल
जुड़कर गुरु के मिशन से हम सब, मानवता का विस्तार करें ।।
प्यार गुरु का पाना है तो,हर इक से हम प्यार करें ।।